>

Title : Need to announce a package for the welfare of distressed farmers of Vidarbha region in Maharashtra.

श्री दत्ता मेघे (वर्धा): माननीय अध्यक्ष महोदया, मैं सरकार का ध्यान विदर्भ में किसानों द्वारा आत्महत्या की बढ़ती घटनाओं के मद्देनजर किसानों के लिए डॉ0 स्वामीनाथन समिति की सिफारिशों के अनुसार प्रधानमंत्री जी द्वारा 1 जुलाई, 2006 को की गई 3750 करोड़ रूपयों के पैकेज की घोषणा की तरफ दिलाना चाहता हूं। इस पैकेज में 3 वर्ष में निर्धारित सभी कार्य पूरे करने की मर्यादा निर्धारित की गई थी। लेकिन इस पैकेज का अमल ठीक तरीके से नहीं हुआ है, जिसके कारण किसानों को पर्याप्त लाभ नहीं मिल पाया है। यही कारण है कि महाराष्ट्र और विशेषकर विदर्भ में किसानों की आत्महत्याएं नहीं रूक पाई हैं। अभी हाल ही में कुछ महीनों में किसानों ने आत्महत्या की है। आज के विदर्भ के किसानों की हालत को देखते हुए तथा पिछले साल अति वर्षा और अति ठंड के कारण किसानों को हुए नुकसान को देखते हुए विदर्भ के किसानों के लिए नये पैकेज की आवश्यकता है और मैं समझता हूं कि इसके लिए कम से कम 7 हजार करोड़ रूपयों के पैकेज की जरूरत है। महाराष्ट्र सरकार ने इस प्रकार का प्रस्ताव केन्द्रीय सरकार के पास भेजा भी है।

पिछले साल अति वर्षा और ठंड के कारण विदर्भ के किसानों की फसल को भारी नुकसान हुआ है। इस हालत से उबरने के लिए मैंने राज्य सरकार से इस क्षेत्र को गीला अकालग्रस्त क्षेत्र घोषित करने की मांग की है। ऐसी स्थिति में मेरा केन्द्र सरकार से अनुरोध है कि विदर्भ के लिए 7 हजार करोड़ रूपये के नये पैकेज की अतिशीघ्र घोषणा की जाये।